

आदेश पत्रक

आदेश पत्रक

पक्ष

वनाम

भातिशा खातुन वगै० पति सरफू
..... प्रथम पक्ष
साकिन-रूपायडीह
..... द्वितीय पक्ष

देखे अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129

आदेश पत्रक ता० से तक

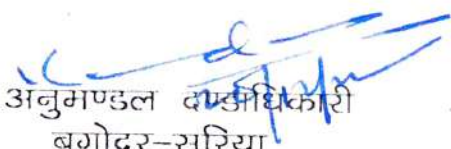
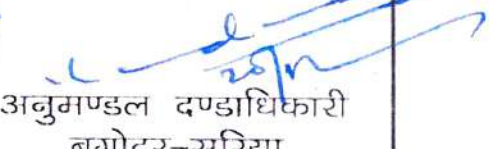
जिला गिरिडीह।

विविध वाद संख्या 149 सन् 2021

धारा 144 द० प्र० स०

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>आवेदिका अनिशा खातुन वगै० पति सरफू खाँ, साकिन-रूपायडीह, थाना-बिरनी, जिला-गिरिडीह द्वारा द० प्र० सं० की धारा 144 के अंतर्गत विवादित भूमि मौजा-बगोदर मोहल्ला मुस्लिम जामा मरिजद गली, थाना-बगोदर, जिला-गिरिडीह अंतर्गत खाता नं०-185, प्लॉट सं०-2166, रकवा-36 डी० के मध्ये 18 डी०, चौहद्दी: 30-मुन्ना कुमार सिंह, द०-युनु अंसारी, पू०-अरुण कुमार मेमोरियल स्कूल, प०-परती कदीम वो बगोदर हजारीबाग मुख्य मार्ग भूमि में भू-विवाद के कारण निषेधाज्ञा लागू करने हेतु आवेदन दिया गया है। प्राप्त आवेदन पर जॉच/मंतव्य अंचल अधिकारी/थाना प्रभारी, बगोदर से मांगे।</p> <p>अभिलेख दिनांक.....को उपस्थापित करें।</p>	

अनुमण्डल दण्डाधिकारी
बगोदर-सरिया

श्री की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>अभिलेख उपस्थापित। थाना प्रभारी/अंचल- अधिकारी बगोदर के ज्ञापांक सं० ०५०५०/२२ दिनांक १५/११/२०२२ के द्वारा समर्पित किया गया जॉव प्रतिवेदन के अवलोकन के बाद मैं संतुष्ट हूँ कि भूमि विवाद को लेकर उभय पक्षों में शांति भंग होने की आशंका है एवं टकराव के लिए तत्पर हैं। इस बात से मैं संतुष्ट हूँ कि इस मामले में टकराव को दूर करने तथा इलाके में शांति बनाये रखने के लिए निरोधात्मक कार्रवाई आवश्यक है।</p> <p>इन तथ्यों के आलोक में उभय पक्षों के विरुद्ध धारा 144 द० प्र० सं० के अंतर्गत कार्यवाई प्रारंभ किया जाता है तथा उभय पक्षों को 60 दिनों के लिए विवादग्रस्त भूमि पर या उसके नजदीक जाने अथवा किसी भी तरह का कार्य करने के लिए प्रतिबंधित किया जाता है तथा रोका जाता है। साथ ही उभय पक्षों से दिनांक ०५/११/२०२३ को कारणपृच्छा की मांग की जाती है कि क्यों नहीं एक या दोनों पक्षों के विरुद्ध निरोधात्मक आदेश को सम्पूष्ट किया जाय।</p> <p>अभिलेख दिनांक ०५/११/२०२३ को उपस्थापित करें। लेखापित एवं संशोधित।</p> <p style="text-align: center;">   </p> <p>अनुमण्डल दण्डाधिकारी बगोदर-सरिया</p> <p>अनुमण्डल दण्डाधिकारी बगोदर-सरिया</p>	

सं
रीख

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर


आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित

1

2

3

05/1/23

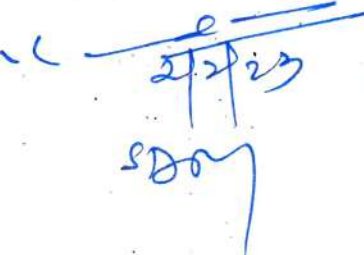
आमिनीयक उपस्थापित। उमम पक्षे उपण
इलीय पक्ष के द्वारा जवाब:-
कार्रवाई किया गया। आमिनीयक
दिनांक - 12-01-2023 का 22वें।


12/1/23

उमम पक्षे अमुण
आमिनीयक दिनांक 21/1/23 का 22वें

2/2/23

उमम पक्षे अमुण के द्वारा आमिनीयक
उपण
उमम पक्ष के विडान
के अधिवक्ता को बुना।
पुश्नागत मुमि एवं पक्षकारों
के बीच वाद से - 9/2/2022
द.प्र. स. 144 के अंतर्गत
इस न्यायालय में चला था।
उन्ही आधारों पर पुनः
वाद जाया जाया है।
वाद सं 9/2/2022
में स्वरुत आदेश किया
जाया था कि यह मामला
मुस्लिम विधि के अंतर्गत
हिदलेदारी का है, जिलका
स्थापी समाधान व्यवहार
न्यायालय में ही हो सकता
है। ऐसी स्थिति में आवेदन
को रिविजन वाद दापर
करना चाहिये या व्यवहार

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p> - कार्यालय में अपना पक्ष हिंदू लोदारी हेतु ररकना चाहिये। लेकिन आवेदक पुनः द.प.स. की धारा-144 के अंतर्गत जाया गया है जो मेरे विचार से उचित नहीं है। अतः वाद की कार्यवाही को समाप्त किया जाता है। वाद सं० 97/2022 में पारित आदेश इस आदेश का अंश होगा। </p> <p style="text-align: right;">  2022 </p>	